भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 08–07–2020

जलवायु परिवर्तन हेतु (निकरा) परियोजना में नये जिलों का चुनाव

आज दि. 08 जुलाई 2020 को निकरा परियोजना के लिये नये जनपद चयन हेतु आनलाइन बैठक आयोजित की गई जिसमें डा. जी रवीन्द्र चेरी निदेशक भाकृअनुप–क्रीडा ने सभी का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश के 9 भौगोलिक क्षेत्रों में विभिन्न जलवायु सम्बन्धी समस्याएँ हैं जैसे बाढ़ क्षेत्र, सूखा, जलस्तर में गिरावट, ऊसर मृदाएँ, असमय वर्षा, अत्यधिक वर्षा, ओले पड़ना जैसी समस्याएँ रास्ते की रुकावट बन जाती हैं। इन्हीं से निजात पाने के लिए निकरा परियोजना का समावेश प्रथम चरण के परिणामों को देखकर दूसरे चरण में 35 जिलों का और चयन किया गया है जो विभिन्न विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत चयनित जिले हैं।

दूसरे चरण में कृषि विज्ञान केन्द्र को चयनियत करने के संदर्भ में डा. बीएमके राजू (सह प्रोजेक्ट निरीक्षक निकरा, क्रीडा, हैदराबाद) ने राष्ट्रीय स्तर का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया। इस परियोजना में जिसमें अब तक पूरे देश में 310 कृषि विज्ञान केन्द्र जोखिम/अत्यधिक जोखिम वाले जनपद सम्मिलित हैं। इस सम्बन्ध में सभी निदेशक अटारी जोन I–XI में जनपद चयन अधिक जोखम/बहुत अधिक जोखिम पारिस्थितिकी के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र पूरे देश में इस परियोजना से जुड़ने हैं।

जोखिम मूल्यांकन के आधार पर 130 कृषि विज्ञान केन्द्र में से अत्यधिक जोखिम वाले जनपदों में 109, उच्च जोखिम वाले जनपदो में 201 केवीके सम्मिलित हैं। 50 अन्य नये कृषि विज्ञान केन्द्र जो कि जोखिम/अत्यधिक

जोखिम के आधार पर चयन करने हैं। उत्तर प्रदेश के चयनित 48 जनपदों में से 13 जनपद में पहले से ही निकरा परियोजना चल रही है जो बहुत ही सराहनीय तकनीकों पर कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश के चयनित 35 जनपदों में जिनमें 6 जिले सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ, 9 जिले आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या, 8 जिले चन्द्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, 4 जिले कृषि विश्वविद्यालय बांदा, 3 जिले शैक्षिक संस्थानों के, 4 जिले एन.जी.ओ. के और 1 जिला आई.सी.ए.आर. संस्थान के निकरा परियोजना में सम्मिलित हैं। उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. ए.के. सिंह ने कहा कि जो केवीके पहले से कार्यरत हैं वह नये गाँव का चुनाव करें। साथ ही पहले के गाँव से भी जुड़े रहें। द्वितीय चरण के गाँवों का चयन कृषि विज्ञान केन्द्र करें।

इस कार्यशाला में राष्ट्रीय जलवायु समुत्थानशील कृषि में नवप्रवर्तन (निकरा) परियोजना में चयनित ग्रामों में कृषि यंत्रों का भरपूर उपयोग हेतु किराये पर कृषि यंत्रों को भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया है।

कार्यशाला में डा. एस.के. चौधरी उपमहानिदेशक (एनआरएम), डा. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार), डा. बी.एम.के. राजू (सह प्रोजेक्ट निरीक्षक निकरा क्रीडा हैदराबाद), चेयरमैन जेड.एम.सी., डा. रणधीर सिंह, एडीजी (कृषि प्रसार) भाकृअनुप–नई दिल्ली, डा. एस. भास्कर, डा. जे.वी.एन.एस. प्रसाद (सह प्रोजेक्ट निरीक्षक निकरा, क्रीडा हैदराबाद), अटारी जोन–3 कानपुर के निदेशक डा. अतर सिंह सहित समस्त अटारी के निदेशकों एवं अन्य वैज्ञानिकों ने इस कार्यशाला में अपने विचार प्रस्तुत कर आगे की रणनीति तैयार करने का आग्रह किया। अन्त में डा. जे.वी.एन.एस. प्रसाद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

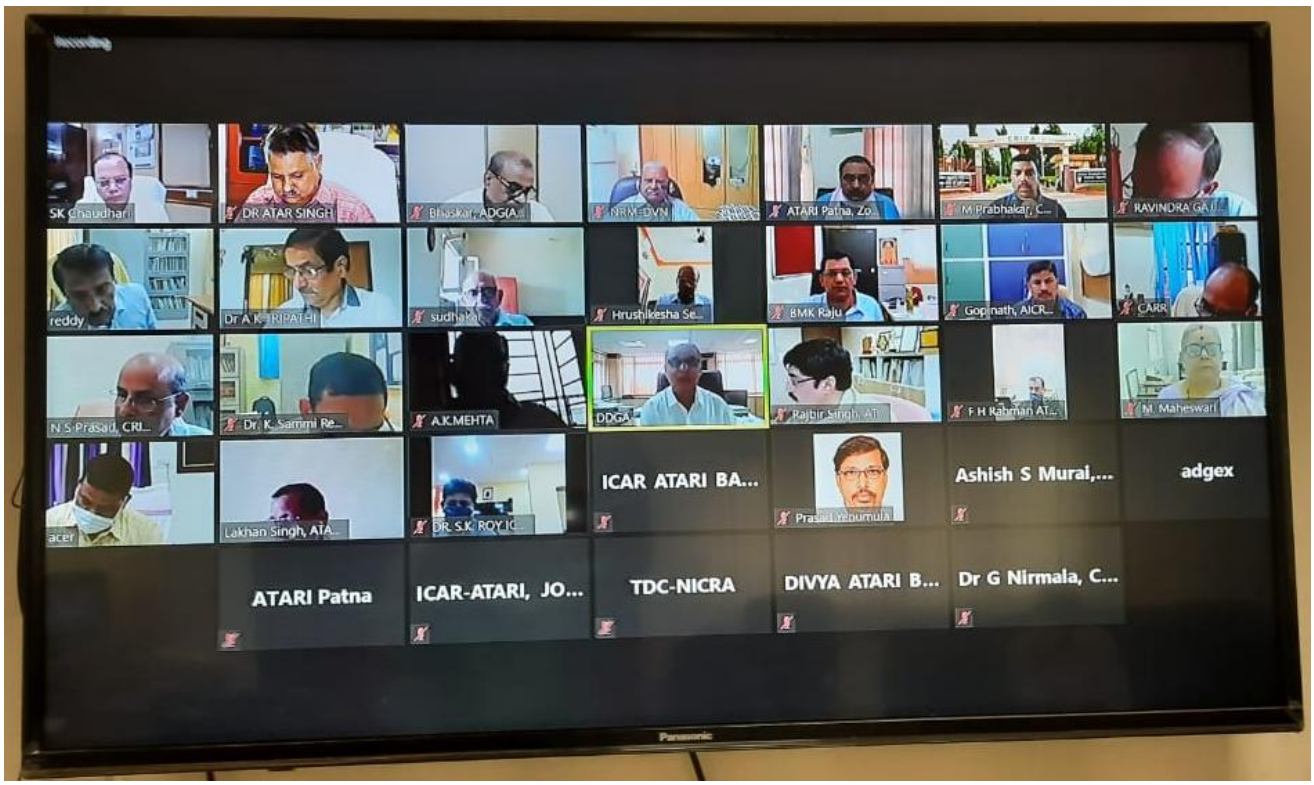
SK Chaudhari
DR ATAR SINGH
Bhaskar, ADG(A...
NRM-DVN
ATARI Patna, Zo...
M Prabhakar, C...
RAVINDRA GAJ...
reddy
Dr A K TRIPATHI
sudhakar
Hrushikesha Se...
BMK Raju
Gopinath, AICR...
CARR
N S Prasad, CRI...
Dr. K. Sammi Re...
A.K.MEHTA
DDG(A)
Rajbir Singh, AT...
F H Rahman AT...
M. Maheswari
acer
Lakhan Singh, ATA...
DR. S.K. ROY IC...
ICAR ATARI BA...
Prasad Yeburmula
Ashish S Murai,...
adgex
ATARI Patna
ICAR-ATARI, JO...
TDC-NICRA
DIVYA ATARI B...
Dr G Nirmala, C...
Panasonic